ई–बुलेटिन

कृषिउद्यमी

प्रतीयमान अनुभव को बांटने वाला मंच

खंड –VI अंक –IV जुलाई, 2014

प्रत्येक कृषक द्वारा बेहतर कृषि

इस अंक में:

- कृषि व्यापार अध्ययन हेतु यूरोप दौरा
- इस माह का कृषि उद्यमी – श्री अनिल निवृत्ति देशमुख
- इस माह का संस्थान, केअर नमक्कल – तमिलनाडु
- पूर्व एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र– गुवाहाटी असम में कार्यशाला

कृषिउद्यमी की मुफ्त हेल्पलाइन का उपयोग करें

1800 -425-1556

" कृषि उद्यमिता एक ऐसा प्रतीयमान मंच है जहां कृषि उद्यमियों, बैंकरों, कृषि व्यवसाय कंपनियों, नोडल प्रशिक्षण संस्थानों, विस्तार कार्यकर्ताओं, शिक्षाशास्त्रियों, अनुसंधानकर्ताओं तथा कृषि व्यवसाय चिंतकों, जो देश में कृषि उद्यमिता विकास के लिए कार्य कर रहे हैं, के अनुभवों को सबके साथ बांटा जाता है।

कृषि व्यापार अध्ययन हेतु यूरोप दौरा

कृषि विभाग, महाराष्ट्र सरकार ने जुलाई–अगस्त, 2014 में, नीदरलैंड्स, जर्मनी, स्विटज़रलैंड और ऑस्ट्रिया में, कृषि व्यापार अध्ययन दौरा प्रायोजित किया। प्रगतिशील कृषकों को कृषि की आधुनिक पद्धतियों से अवगत करवाना इस दौरे का उद्देश्य था। इस पहल के अंतर्गत, दौरे के 50 प्रतिशत व्यय का वहन राज्य सरकार ;महाराष्ट्र द्वारा तथा शेष व्यय का वहन चुने गए कृषकों द्वारा किया गया । श्री महेन्द्र धैबर ने – जिन्होंने 45 प्रगतिशील कृषकों के समूह के साथ इस दौरे में भाग लिया – अपने अनुभव मैनेज के साथ बांटे ।

1. पुष्प – नीलामी केन्द्र आल्समिअर, नीदरलैंड्स

सहकारी पुष्प नीलामी केन्द्र 'फ्लोरा हॉलैंड' आल्समिअर में स्थित है। फूलों और पौधों के व्यापार का, यह विश्व का सबसे बड़ा केन्द्र है। नीलामी केन्द्र पूरी तरह से कम्प्यूटरकृत है। यहाँ विभिन्न प्रकार के फूल, नीलामी क्लॉक के समक्ष दर्शाए जाते हैं और ग्राहक उनकी खरीदी ऑनलाइन करते हैं।

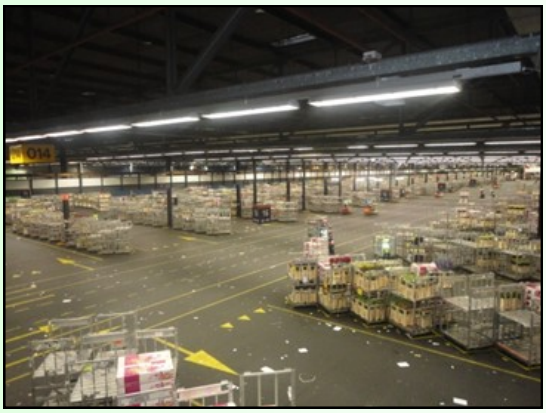

2 ईंदोवेन जर्मनी स्थित डेरी फॉर्म –

यह एक पूर्णतः यांत्रिक डेरी फॉर्म है – जहाँ केवल 2 व्यक्ति 200 गायों की देखभाल करते है। एक रोबोट, गायों को चारा खिलाता है। ठीक इसी तरह, यहां स्वचालित रूप से दूध दुहने का भी प्रावधान है। जैसे ही गाय मिल्किग पार्लर में जाती है, मिल्किग मशीन उसके थनों को धोती है और दूध एकत्रित कर लेती है इसके बाद प्रत्येक गाय का दुग्ध उत्पादन डाटा कम्प्यूटर में रिकॉर्ड किया जाता है।

पेज-4 पर जारी.....

राष्ट्रीय कृषि प्रबंधन विस्तार संस्थान,

कृषि तथा सहयोग विभाग, कृषि मंत्रालय

राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक

व्यक्तिगत दौरों के माध्यम से बिक्री की अवधारणा ही सफलता की कुंजी है, श्री अनिल निवृत्ति देशमुख विहिरगांव, अहमदनगर जिला

श्री देशमुख परामर्शक सेवाएं दे रहे हैं।

'फार्मिंग, ठेका–फार्मिंग तथा कृषि फर्मों से जुड़े कृषि व्यवसायियों एवं किसानों के लिए क्वालिटी परामर्श एक महत्वपूर्ण आवश्यकता के रूप में उभर रहा है।' 'यह मानना है श्री अनिल देशमुख (40) का जिन्होंने महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले के विविहरगांव से कृषि विषय में अपना पोस्ट ग्रैजुएशन किया है। अब तक वे विपणन अधिकारी के तौर पर कई, कीटनाशक तथा उर्वरक कंपनियों में काम कर चुके हैं। असंख्य कृषि निवेशों तथा उनके विपरीत प्रभावों को समझने के पश्चात् श्री देशमुख ने किसानों की समस्याओं के समाधान हेतु उनका मार्गदर्शन करने के उद्देश्य से परामर्श सेवाएं आरंभ करने का निर्णय लिया और बाभलेश्वर महाराष्ट्र स्थित कृषि विज्ञान केन्द्र में ए.सी. एवं ए.बी.सी. प्रशिक्षण में भाग लिया। प्रशिक्षण की समाप्ति के बाद, उन्होंने 20 लाख की व्यक्तिगत पूंजी की लागत से 'कृषि विश्व बायोटेक' नामक फ़र्म की स्थापना की । उन्होंने अज़ाटोबैक्टर फॉस्फेट सोल्युबिलाइजिंग बैक्टीरिया जैसे जैविक उर्वरकों का निर्माण आरंभ किया।

श्री देशमुख किसानों के पास व्यक्तिगत रूप में जाकर उन्हें परामर्श सलाह देते हैं जिसके फलस्वरूप अच्छी आमदनी भी होती है और किसानों के बीच उनकी बेहतर छवि भी बनती है । उन्होंने अनार को लगने वाले तैलीय स्पॉट रोग के निदान के लिए, ऑर्गेनिक पद्धतियों को अपनाकर एक व्यवस्थित पैकेज प्रणाली आरंभ की । उनकी यह प्रैक्टिस कृषक कम्युनिटी में काफी प्रचलित हुई । श्री देशमुख के अनुसार व्यक्तिगत रूप से किसी उत्पाद की बिक्री का परिणाम अन्य तरीकों की अपेक्षा बेहतर होता है। 50 गांवों के 200 से अधिक किसान श्री देशमुख से परामर्शक सेवाएं प्राप्त कर रहे हैं।

अकोले, अहमदनगर के 58 वर्षीय श्री बालासाहेब नामदेव असवाले के अनुसार ' मेरे पास 3 हेक्टेयर का अनार का एक बाग है। श्री देशमुख से परामर्श लेने के बाद मेरे बाग की स्थिति में काफी सुधार हुआ है। उनकी सलाह के अनुसार मैं अपने बाग में ऑर्गेनिक उर्वरकों, कीटनाशकों और खाद का प्रयोग कर रहा हूँ।

जैविक उर्वरकों और सिंचाई के संतुलित इस्तेमाल से फलों के उत्पादन में वृद्धि हुई है और फलों का झड़ना भी पूरी तरह कम हो गया । जैविक कीटनाशकों के समय पर प्रयोग से कीटों और रोगों पर नियंत्रण हुआ है और साथ ही अनारों का उत्पादन 25 टन/हे. बढ़ गया । इसके साथ–साथ बाग की आयु में भी 8–10 वर्षों की वृद्धि हुई है।

'कृषि विश्व बायोटेक' का वार्षिक टर्नओवर 50 लाख रू. है और उसमें 6 कृषि स्नातक स्थायी रूप से कार्यरत हैं। किसानों द्वारा व्यक्तिगत दौरों की लगातार मांग को देखते हुए, श्री देशमुख ने 10 अन्य अधिकारियों को प्रशिक्षित कर उन्हें ग्राम स्तर पर नियुक्त कर दिया है। ये अधिकारी किसानों के खेतों में जाकर डिजिटल टैबलेट के माध्यम से उनकी शंकाओं का समाधान करते हैं । अनार की फसल के वैज्ञानिक प्रबंधन पर अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें – श्री अनिल देशमुख गेट नं. 227 पोस्ट – वीरगांव, तालुका – अकोले, जिला–अहमदनगर, महाराष्ट्र मोबाइल – 09960492426, ई–मेल anildesh@rediffmail.comandeshmukh73@gmail.com

वैकल्पिक ग्रामीण राजगाार केन्द्र, नमक्कल, तमिलनाडु द्वारा लधु कृषि उद्योगों का प्रोत्साहन

1996 से केअर ट्रस्ट, नाबार्ड, पर्यावरण एवं वन मंत्रालय, अल्पसंख्यक मामला मंत्रालय, श्रम मंत्रालय एवं राष्ट्रीय महिला आयोग द्वारा प्रायोजित कई परियोजनाओं को लागू करता रहा है। 2008 से केअर द्वारा ए.सी. एवं ए.बी. सी. प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

केअर ट्रस्ट द्वारा ए.सी. एवं ए.बी.सी. योजना के तहत 29 बैचों को प्रशिक्षित किया गया जिनमें 933 प्रतिभागियों ने भाग लिया। जिनमें से 508 लोगों ने कृषि वेंचर स्थापित किये। इन वेंचरों में, कृषि क्लीनिक्स, पशु चिकित्सा क्लीनिक, मोबाइल वेट क्लीनिक, ग्रीन–हाउज़ेस, टिश्यू कल्चर मत्स्य कल्चर, नर्सरी, पोल्ट्री, गोटरी, डेरी फार्म, पिगरी फार्म, एकीकृत कृषि, मधुमक्खी पालन, मशरूम उत्पादन वर्मी कम्पोस्ट, आर्गेनिक मैन्योर, खाद्य संसाधन, मुर्गीपालन मैन्योर, कालीमिर्च उत्पादन मत्स्यिकी, खरगोश–फार्म, खाद्यान्न उत्पादन तथा विपणन शामिल हैं। कुल 31 कृषि उद्यमियों में बैंक से ऋण लिया जबकि 12 को नाबार्ड द्वारा सब्सिडी दी गई ।

उद्यमशीलता के संवर्धन हेतु केअर द्वारा संचालित गतिविधियाँ –

- ए.सी. एवं ए.बी.सी. योजना के सशक्त कार्यान्वयन के लिए नाबार्ड के सहयोग से , बैंकरों के लिए कार्यशालाओं का आयोजन ।
- कृषिउद्यमियों की बैंक संबंधी समस्याओं को दूर करने में उनकी सहायता करना ।
- कृषि उद्यमियों को उनकी फर्मों का पंजीकरण करवाने और लाइसेंस प्राप्त करने में सहायता करना।
- लघु उद्योगों पर विशेष जानकारी प्राप्त करने हेतु कृषि विज्ञान केन्द्र (KVK-Namakkal) के संयोजन से प्रशिक्षण आयोजित करना।
- कृषि उद्यमियों, किसानों और के वी के अधिकारियों के साथ हाईटेक कृषि और लघु उद्योग विषयों पर त्रिकोणीय बैठकों का आयोजन ।
- कृषि उद्यमियों की विस्तारित गतिविधियों के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए कृषि अधिकारियों तथा ATMA कर्मचारियों से संपर्क करना ।
- स्थापित कृषि उद्यमियों के बीच उद्यमशीलता बढ़ाने के लिए पुनश्चर्या प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन ।

विस्तृत जानकारी के लिए संपर्क करें –
वैकल्पिक ग्राम रोज़गार केन्द्र (CARE)
19, I[st]क्रॉस, तिर्ल्लेपुरम नमक्कल, तमिलनाडु – 637001
फोन 04286–224195 / 220 095 मोबा. 094432 20095 / 096299 20095
फैक्स नं. 04286 – 234543 / 220095,
ई–मेल –caretrust04@yahoo.com, Caretrust5@gmail.com

श्री. बी. पलाणीसामी **नोडाल** अधिकारी

3 साल्ज़बर्ग, ऑस्ट्रिया का ऑर्गेनिक फार्म–
यह 100 प्रतिशत ऑर्गेनिक फार्म, साल्जबर्ग के पास स्थित है, इसकी स्थापना 1775 ए.डी. के दौरान हुई थी। सब्जियों की खेती के अलावा यहां 80 गायों वाला एक डेरी फार्म भी है। यहां गाय के गोबर एवं मूत्र को कम्पोस्ट के रूप में रूपांतरित कर उसका प्रयोग ऑर्गेनिक खेती के लिए खाद के रूप के किया जाता है। इस फार्म पर एक आर्गेनिक शॉप भी है जहां ताज़ी सब्जियाँ, दूध तथा अन्य ऑर्गेनिक खाद्य–सामग्री बेची जाती है।

4 फ्राइड्रीशैफ़ेन, जर्मनी स्थित बायोगैस परियोजना एवं सेब के बागान –इस अद्भूत एकीकृत फ़ार्म का कुल क्षेत्र 370 हेक्टेयर है। भुट्टा, गेहूँ और सेब की खेती के साथ–साथ यहां 320 गायों का भी पोषण किया जाता है। गोबर और गोमूत्र का प्रयोग बायोगैस के उत्पादन के लिए होता है जिसके द्वारा बिजली का उत्पादन करके उसे सरकार को बेचा जाता है।

5 फ्रीबर्ग, जर्मनी स्थित मद्य अनुसंधान संस्थान – इस संस्थान की स्थापना 1842 में घरेलू मदिरा के अनुसंधान व विकास को सशक्तता प्रदान करने के उद्देश्य से की गई थी। 37 हेक्टेयर में फैले इस वाइनयार्ड में, अंगूर की कई क़िस्में विकसित की गई हैं जिनका इस्तेमाल शराब बनाने में होता है। यह संस्थान अंगूरों की ऑर्गेनिक खेती को भी प्रोत्साहित कर रहा है। अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें –श्री महेन्द्रा धैबर, नोडल अधिकारी, SSVPपुणे, मोबाइल – 09922708398 ई–मेल –mdhaibar@yahoo.com

पूर्वी व उत्तरपूर्वी क्षेत्र, गुवाहाटी, असम में नोडल अधिकारी हेतु कृषि उद्यमशीलता के विकास के लिए प्रशिक्षण व कार्यशाला

22–23 जुलाई, 2014 को गुवाहाटी, असम में डॉ. आर.के.त्रिपाठी, निदेशक, कृषि मंत्रालय, भारत सरकार की अध्यक्षता में 2 दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में नोडल अधिकारियों प्रशिक्षण समन्वयकों, समेति निदेशकों, मुख्य कार्यकारी अधिकारियों एवं शिक्षाविदों सहित कुल 20 प्रतिभागियों ने भाग लिया । इस कार्यशाला में ए.सी. एवं ए.बी.सी. योजना के पूर्वोत्तर क्षेत्र में लागू करने तथा इसके सुचारू कार्यान्वयन में आने वाली समस्याओं के समाधान पर चर्चा की गई।

डॉ. आर.के.त्रिपाठी, निदेशक, डी.ए.सी. कृषि मंत्रालय एवं प्रतिभागीगण ।

www.agriclinics.net वह पोर्टल है जो एसी तथा एबीसी योजना के बारे में सूचना प्रदान करता है। यह पोर्टल पात्रता मानदंडों, प्रशिक्षण संस्थानों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, सहायता कार्यों, वित्त विकल्पों तथा भावी उद्यमियों को सब्सिडी प्रदान करने के संबंध में अद्यतन जानकारी देता है।यह वेबसाइट स्थापित कृषि नव उद्यमों, लंबित परियोजनाओं, संबंधित योजनाओं के ब्यौरों से संबंधित सूचना तथा राज्य सरकारों, कृषि विश्वविद्यालयों, बैंकों, प्रशिक्षण संस्थानों तथा कृषि उद्यमियों के लिए उपयोगी अन्य सूचना भी प्रदान करती है।

एग्री क्लीनिकों तथा एग्रीबिजनेस केंद्रों के संबंध में अधिक स्पष्टीकरण के लिए कृपया इस पते पर मेल करें। indianagripreneur@manage.gov.in

"प्रत्येक कृषक द्वारा बेहतर कृषि"

"कृषिउद्यमी" श्री बी श्रीनिवास, आईएएस, महानिदेशक, द्वारा प्रकाशित

हमसे संपर्क करें:

कृषि उद्यमिता विकास केन्द्र, (सीएडी)
कृषि विस्तार प्रबंधन के राष्ट्रीय संस्थान
(मैनेज), राजेन्द्रनगर, हैदराबाद,पिन-500 030, भारत
ई मेल: indianagripreneur@manage.gov.in
वेबसाइट: www.agriclinics.net
हेल्पलाइन नं. : 1800 425 1556 (टोल फ्री)
ईमेल helplinecad@manage.gov.in

प्रमुख संपादक : श्री वी. श्रीनिवास, आईएएस
संपादक : डा. पी. चंद्रशेखर
सहायक संपादक : डा. लक्ष्मीमूर्ति
: सुश्री ज्योति सहारे
हिंदी अनुवाद : डॉ. के. श्रीवल्ली